तापमान

अधिकतम 44.0 डिग्री

न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
कोरबा भूमि

बिलासपुर, रविवार 15 मार्च 2026

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

4 मूल्यांकन के लिए जिले को भेजी गई 1 लाख 13 हजार 967 कॉपियां

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय लोक अदालत में पांच प्रकरणों का हुआ निराकरण

कोरबा। राज्य उपभोक्ता आयोग के निर्देशानुसार जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला उपभोक्ता आयोग की अध्यक्षा श्रीमती रंजना दत्ता एवं सदस्य पंकज कुमार देवड़ा के द्वारा प्रकरणों की सुनवाई की गई। जिला उपभोक्ता आयोग में बैंकिंग, बीमा, स्वास्थ्य से संबंधित 14 प्रकरणों को आपसी राजीनामा हेतु रखा गया था। जिसमें 5 प्रकरण में पक्षकारों की आपसी सहमति से प्रकरण का निराकरण किया गया। उक्त प्रकरण में पक्षकारों की आपसी सहमति से अवार्ड की राशि कुल 12 लाख 60 हजार रुपए क्षतिपूर्ति राशि दिलाई गयी। इस दौरान उपभोक्ता आयोग के मीडिएशन सदस्य श्रीराम श्रीवास, महेंद्र राजवाड़े, कर्मचारी नाजीर, रामनारायण पटेल, मनीराम श्रीवास, संजय शर्मा, नूतन राजपूत, राजेश्वर इंग्ले, विभिन्न प्रकरणों के पक्षकार एवं अधिवक्ता उपस्थित रहे।

भंडार संभाग डीएसपीएम टीपीएस को हाउसकीपिंग में द्वितीय पुरस्कार

कोरबा। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह (डीएसपीएम टीपीएस) के संरक्षा विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह-2026 के समापन समारोह में भंडार संभाग को हाउसकीपिंग श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार संयंत्र परिसर में स्वच्छता, सुव्यवस्था एवं सुरक्षा मानकों के उत्कृष्ट पालन के लिए प्रदान किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता ए. एस. मरावी सहित भंडार संभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी रविंद सिंह, भावना जैनेंद्र, रितिका मिश्रा, अनुराधा सिंह, सी. एस. साहू, सतीश आदि उपस्थित थे।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

लाखों की चोरी के मामले में तीन आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

पुलिस गिरफ्त में चोरी के आरोपी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

रवि शंकर शुक्ला नगर के एक सूने मकान में अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर सोने चांदी की जेवराज सहित लाखों का माल पार किया था। पुलिस की टीम चोरों की धरपकड़ के लिए वारदात के बाद से लगातार एक्टिव रही और लगभग दो दर्जन से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद आखिरकार पुलिस आरोपियों के गिरेबांह तक पहुंची गई। पुलिस ने इस चोरी के मामले को सुलझाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जबकि इस गिरोह का मास्टरमाइंड सहित दो आरोपी अभी भी फरार हैं। जिसकी पुलिस सरगर्मी से खोजबीन कर रही है।

खास बात

- मानिकपुर चौकी क्षेत्र के आरएसएस नगर में तीन दिन पूर्व हुई थी चोरी की वारदात

उल्लेखनीय है कि मानिकपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत रविशंकर शुक्ला नगर निवासी ज्योति चंद्रा आरएसएस नगर के एमआईजी 2/113 में अज्ञात चोरों ने मकान का ताला तोड़कर घर में रखे सोने चांदी की जेवरात सहित लगभग 3 लाख रुपए का माल पार कर दिया था। इस मामले को सुलझाने के लिए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले, नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक चतुर्वेदी, मानिपकुर चौकी प्रभारी परमेश्वर राठौर व उनकी टीम जुटी हुई थी। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गये आरोपियों में शंकर नगर इंडस्ट्रियल एरिया निवासी आकाश मरावी उम्र 19 वर्ष पिता सुनील कुमार मरावी, मैरिज हॉल के सामने रमागढ़, थाना बालकोनगर निवासी रोहित शर्मा उम्र 19 साल पिता स्व. कमलेश शर्मा एवं घनगांव, थाना जरेहगांव, जिला मुंगेली निवासी निखिल वर्मन उम्र 21 साल पिता राजनारायण वर्मन शामिल हैं। वहीं इस गिरोह का मास्टमाइंड सहित दो आरोपी फरार हैं जिसकी पतासाजी की जा रही है। मामले में पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

बंटी बबली बनकर चार मकानों में चोरी करने वाले दंपती को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

विगत दिनों सतनाम नगर में एक नहीं दो नहीं बल्कि चार मकानों का ताला टूटा था और चोरी की घटना सामने आयी थी। चोरी की इस गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है औरचोरी की घटना को एक दंपत्ति ने अंजाम दिया था। पुलिस ने दंपत्ति को गिरफ्तार कर लिया है जबकि मामले में एक अन्य आरोपी फरार है जिसकी खोजबीन में जुटी हुई है। सिविल लाईन क्षेत्र अंतर्गत अमित दिवाकर ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 11 मार्च को वह अपने परिवार के साथ शादी कार्यक्रम में गए हुए थे। अगले दिन सुबह घर वापस आने पर घर का ताला टूटा हुआ पाया गया तथा घर के अंदर रखे सोने-चांदी के जेवरात, चांदी की पायल, एक वीवो कंपनी का मोबाइल फोन एवं नगदी रकम लगभग 5 हजार रुपये चोरी हो गया था, इसी तरह सिविल लाईन क्षेत्र अंतर्गत नंद कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 11 मार्च को ही वह भी परिवार सहित शादी कार्यक्रम में गए थे। अगले दिन सुबह घर वापस आने पर घर का ताला टूटा हुआ मिला तथा घर के अंदर रखे चांदी की पायल, बच्चों का चांदी का जुड़ा एवं नगदी रकम लगभग 11 हजार रुपये की चोरी हो गया था दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों की पतासाजी की जा रही थी। इस मामले को सुलझाने के लिए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले, नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक चतुर्वेदी, सिविल लाईन थाना प्रभारी नवीन पटेल व उनकी टीम जुटी हुई थी। पतासाजी के दौरान सिविल लाईन पुलिस ने बेंदरकोना निवासी सुमित्रा रात्रे उम्र 28 वर्ष पति मनीष गुप्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया। जो आरोपिया अपने पति के साथ उपरोक्त मकानों में चोरी करना स्वीकार करना बताये। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने चांदी की जेवरात सहित मोबाइल फोन बरामद किया है। पकड़े गये आरोपियों को पुलिस ने न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कर दिया है।

खास बात

- सिविल लाईन थाना क्षेत्र के सतनाम नगर में चोरी की घटना आई थी सामने

पुलिस गिरफ्त में आरोपी महिला।

हसदेव पुल पर तेज रफ्तार स्वराज माजदा पलटी, चालक की मौत

दुर्घटनाग्रस्त वाहन, इनसेट मे मृतक चालक।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एक स्वराज माजदा में लकड़ी लोडकर उदयपुर से रायपुर के लिए रवाना हुआ था कि बीच रास्ते में हसदेव पुल के समीप पहुंचा था कि मोड पर स्वराज माजदा गाड़ी नियंत्रित हो गई और पलट गई। जिससे मौके पर ही चालक की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई कर शव को परिजनों के सुपुर्द कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार दिनेश बंजारे उम्र 26 वर्ष स्वराज माजदा का चालक था जो शुक्रवार की रात उदयपुर से लकड़ी लोडकर रायपुर के लिए रवाना हुआ था। रात लगभग 11:30 बजे मोरगा चौकी क्षेत्र अंतर्गत आने वाले हसदेव ब्रिज के समीप मोड पर पहुंचा था कि उसकी तेज रफ्तार स्वराज माजदा गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई वाहन के पलटते ही चालक दिनेश बंजारे वाहन के साथ दब गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मोरगा चौकी प्रभारी मंगतूराम मरकाम अपने दलबल सहित मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू कर दिनेश बंजारे को किसी तरह बाहर निकाला गया। घटना की सूचना उसके परिजनों को दी गई पुलिस ने मामले में वैधानिक कार्रवाई कर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

खास बातें

- उदयपुर से लकड़ी लोडकर रायपुर के लिए हुआ था रवाना
- कोरबी चौकी क्षेत्र का मामला

जल उपचार संयंत्र में मरम्मत कार्यों के लिए पानी सप्लाई रहेगी बंद

कोरबा। आगामी ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत खते हुए नगर निगम के 32 एमएलडी जल उपचार संयंत्र में आवश्यक मरम्मत कार्य किए जाने के कारण 15 मार्च को शाम के समय एवं 16 मार्च को सुबह जल आपूर्ति व्यवस्था बाधित रहेगा। आमनागरिकों से अपील है कि वे 15 मार्च को सुबह प्रदाय किए जाने वाले जल को संग्रहण करके रखें।

दो हफ्तों से कच्चे तेल के झटकों का सामना कर रहे दुनिया के बाजार

गिरता बाजार दे रहा निवेश का मौका सावधानी के साथ उठा सकते हैं फायदा

निवेशकों की संपत्ति में लगभग 34 लाख करोड़ की कमी आई

भारतीय इक्विटी बाजारों को पिछले दो हफ्तों से कच्चे तेल के झटके (क्रूड शॉक) का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध और बढ़ती तेल कीमतों ने वैश्विक निवेशकों को डरा दिया है और सेंसेक्स तथा निफ्टी भी इस बिकवाली से अछूते नहीं रहे हैं। संघर्ष शुरू होने के बाद से सिर्फ दो हफ्तों और नौ ट्रेडिंग सत्रों में निवेशकों की संपत्ति में लगभग 34 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। युद्ध खत्म होने के अभी कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं, इसलिए यह कहना मुश्किल है कि दलाल स्ट्रीट पर चल रही यह गिरावट कब और कहां थमेगी। 27 फरवरी को बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 46,325,200.41 करोड़ रुपये था। 13 मार्च 2025 तक यह घटकर 42,939,960.29 करोड़ रुपये रह गया। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें (एक समय यह लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं), वैश्विक बाजारों में लगातार बिकवाली, विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी और भारतीय रुपये की कमजोरी इन सभी ने बाजार की धारणा को कमजोर किया है। निफ्टी-50 ने कई वर्षों में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने का असर सिर्फ तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर ही नहीं, बल्कि अन्य व्यापारिक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है, जिसका प्रभाव भारत के कई क्षेत्रों पर पड़ सकता है। ऐसे में सवाल उठता है कि निवेशकों को क्या करना चाहिए— क्या उन्हें शेयर बाजार में निवेश बनाए रखना चाहिए?

शेयर बाजार की स्थिति : क्या दीर्घकालिक विकास की कहानी बरकरार है?

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव के समय सामान्य गिरावट भी वास्तविकता से कहीं ज्यादा गंभीर दिखाई दे सकती है। उनका मानना है कि भारतीय निवेशकों के नजरिये से भारतीय शेयर बाजार की दीर्घकालिक संभावनाएं अब भी सकारात्मक हैं। वे यह भी बताते हैं कि वैश्विक संकटों के बीच भी भारत की विकास दर मजबूत बनी हुई है। मूडीज एनालिटिक्स के अनुसार हालिया शिखरों से पिछले 12 महीनों की गिरावट को देखें तो चीन और भारत दोनों में गिरावट अपेक्षाकृत सीमित रही है और यह सामान्य बाजार उतार-चढ़ाव के अनुरूप है। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि दोनों अर्थव्यवस्थाएं खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों से बड़ी मात्रा में तेल आयात करती हैं, लेकिन घरेलू खपत में ऊर्जा आयात का हिस्सा अपेक्षाकृत कम है, जिससे तेल कीमतों के झटकों के प्रति उनकी संवेदनशीलता सीमित रहती है। इसके अलावा शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों की भागीदारी भी अपेक्षाकृत कम है और चीन में पूंजी नियंत्रण भी अस्थिरता को सीमित करते हैं।

कॉरपोरेट आय का दृष्टिकोण मजबूत

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर का कहना है कि भारत की दीर्घकालिक विकास और निवेश की कहानी अभी भी मजबूत है। उनके अनुसार बढ़ती घरेलू खपत, निरंतर बुनियादी ढांचा निवेश, व्यापक डिजिटल परिवर्तन और कॉरपोरेट बैलेंस शीट में सुधार जैसे संरचनात्मक कारक बाजार के सकारात्मक दृष्टिकोण को समर्थन देते हैं। इसके साथ ही विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियां, ऊर्जा संक्रमण, कर सुधार, बुनियादी ढांचा विकास और निजी पूंजी निवेश में बढ़ोतरी भी इस दृष्टिकोण को मजबूत करती है। एक प्रमुख धारणा यह भी है कि मौजूदा अमेरिका-ईरान युद्ध लंबे समय तक नहीं चलेगा। हालांकि इससे बाजार मूल्यांकन दीर्घकालिक औसत से नीचे आ गया है, लेकिन आने वाले महीनों में वैल्यू-बायिंग के कारण तेज उछाल देखने को मिल सकता है। वित्त वर्ष 2027 के लिए कॉरपोरेट आय का दृष्टिकोण भी मजबूत माना जा रहा है।

तेज गिरावट से अब वैल्यूएशन आकर्षक

एसबीआई सिक्योरिटीज में फंडामेंटल रिसर्च प्रमुख सनी अग्रवाल का कहना है कि इतिहास बताता है कि बाजार हमेशा चिंता की दीवार चढ़ता है। बाजार ने कई युद्ध, वैश्विक आर्थिक संकट और महामारी जैसी स्थितियां देखी हैं और हर बार नए उच्च स्तर तक पहुंचा है। ऐतिहासिक आंकड़े बताते हैं कि लगभग 17 महीने तक ठहराव के बाद अगले 6 महीने से 3 साल के दौरान इक्विटी ने शानदार रिटर्न दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले कुछ महीनों में बाजार में आई तेज गिरावट के कारण अब वैल्यूएशन आकर्षक हो गए हैं। इनक्रेड मनी के सीईओ विजय कुप्पा बताते हैं कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली के कारण भारतीय बाजार प्रभावित हुआ है।

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

18 प्रतिशत तक की गिरावट सामान्य

आनंद राठी वेल्थ के कार्यकारी निदेशक चिराग मुनी के अनुसार अगले पांच वर्षों में भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी रहने की संभावना है। वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6–7 प्रतिशत के आसपास रहने और मुद्रास्फीति 4–5 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है, जिससे नाममात्र जीडीपी वृद्धि लगभग 11–12 प्रतिशत रह सकती है। इससे दीर्घकाल में कॉरपोरेट आय और शेयर बाजार को समर्थन मिलेगा। वे बताते हैं कि 2001 के बाद से लगभग 18 प्रतिशत तक की गिरावट सामान्य रही है और बाजार आम तौर पर एक साल में इससे उबर जाता है। भू-राजनीतिक तनाव के दौरान भी निफ्टी में 5–7 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिलती है और अधिकांश मामलों में एक महीने के भीतर बाजार संभल जाता है। घरेलू निवेशकों की भागीदारी भी बाजार को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। 2025 में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 7.88 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि विदेशी निवेशकों ने करीब 1.66 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की। मार्च 2026 में भी स्मॉल-कैप फंड्स में लगभग 700 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। इससे पता चलता है कि निवेशक घबराहट में फैसले नहीं ले रहे हैं।

निवेशकों को क्या करना चाहिए?

विशेषज्ञों का मानना है कि मध्य-पूर्व युद्ध और ऊर्जा कीमतों पर इसका असर अगले कुछ हफ्तों में कम हो सकता है। एसबीआई सिक्योरिटीज के अनुसार निवेशकों को इस अवसर का उपयोग दीर्घकालिक निवेश के लिए करना चाहिए और मजबूत बुनियादी कंपनियों में निवेश बढ़ाना चाहिए। जिन क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन की संभावना है उनमें बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं (बीएफएसआई), ऑटो और ऑटो एंसिलरी, कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी, न्यू-एज बिजनेस तथा पावर सेक्टर शामिल हैं। विजय कुप्पा का कहना है कि स्मॉल और मिडकैप शेयरों में अच्छी कीमत और समय के आधार पर सुधार हो चुका है। निवेशकों को हर गिरावट पर धीरे-धीरे निवेश बढ़ाना चाहिए। जो निवेशक सीधे शेयरों में निवेश करने में सहज नहीं हैं, वे ईटीएफ या म्यूचुअल फंड के माध्यम से निवेश कर सकते हैं। विशेषज्ञ संतुलित पोर्टफोलियो बनाए रखने की सलाह देते हैं। चिराग मुनी के अनुसार दीर्घकालिक निवेशकों को अनुशासन बनाए रखना चाहिए और निवेश रणनीति से विचलित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार पोर्टफोलियो में लगभग 80 प्रतिशत निवेश इक्विटी और 20 प्रतिशत डेट में रखना उचित हो सकता है। इक्विटी हिस्से में 55 प्रतिशत लार्ज-कैप और बाकी मिड व स्मॉल-कैप में निवेश किया जा सकता है। 10–15 प्रतिशत की बाजार गिरावट को अतिरिक्त निवेश के अवसर के रूप में देखा जा सकता है, जिससे निवेशक भविष्य में होने वाली रिकवरी का लाभ उठा सकें। हालांकि मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च विश्लेषक थॉमस वी. अब्राहम थोड़ी सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। उनके अनुसार यदि संकट लंबा खिंचता है तो यह कॉरपोरेट मुनाफे पर दबाव डाल सकता है, पूंजी निवेश को टाल सकता है और विनिर्माण, फार्मा तथा हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में आय वृद्धि को सीमित कर सकता है। उनकी सलाह है कि निवेशक मौजूदा निवेश बनाए रखें, लेकिन पोर्टफोलियो को अधिक स्थिरता के लिए पुनर्संतुलित करें। नई पूंजी को चरणबद्ध तरीके से मजबूत कंपनियों में लगाया जा सकता है।

ऐसा रख सकते हैं पोर्टफोलियो

- रक्षात्मक निवेश (60–70%): फार्मा और एफएमसीजी जैसे सेक्टर
- अवसरवादी निवेश (20–30%): बड़े कैप शेयर जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज में निवेश
- हेज (लगभग 10%): सोना, गोल्ड ईटीएफ, सॉवरेन बॉन्ड या 3–6 महीने की फिक्स्ड डिपॉजिट
- इस मिश्रण से अस्थिर दौर में स्थिरता बनाए रखते हुए अवसरों का लाभ उठाया जा सकता है।

सरकारी बैंकों की स्पेशल एफडी दे रही अच्छा रिटर्न

बिजनेस डेस्क

सुरक्षित निवेश की तलाश करने वाले लोगों के लिए इस समय सरकारी बैंकों की विशेष सावधि जमा (एफडी) योजनाएं आकर्षक विकल्प बनकर सामने आई हैं। देश के कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सीमित अवधि के लिए विशेष सावधि जमा योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें सामान्य सावधि जमा की तुलना में अधिक ब्याज दर दी जा रही है। इन योजनाओं की अवधि भी अपेक्षाकृत कम रखी गई है, जिससे निवेशकों को कम समय में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। बैंक समय-समय पर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए ऐसी विशेष योजनाएं लाते हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य बचत को बढ़ावा देना और बैंकिंग प्रणाली में निवेश को प्रोत्साहित करना होता है। वर्तमान में कई सरकारी बैंक 400 दिन से लेकर 666 दिन तक की अवधि वाली विशेष सावधि जमा योजनाएं चला रहे हैं, जिनमें सामान्य निवेशकों को लगभग 6.45 प्रतिशत से लेकर 6.75 प्रतिशत तक ब्याज दिया जा रहा है।

पंजाब एंड सिंध बैंक दे रहा सबसे अधिक ब्याज

इस समय सरकारी बैंकों में सबसे अधिक ब्याज दर पंजाब एंड सिंध बैंक की विशेष सावधि जमा योजना पर मिल रही है। यह बैंक 666 दिन की अवधि वाली विशेष एफडी पर लगभग 6.75 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दे रहा है। सुरक्षित निवेश के साथ बेहतर ब्याज दर की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए यह योजना आकर्षक मानी जा रही है। अन्य सरकारी बैंकों की विशेष सावधि जमा योजनाएं देश के अन्य कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भी अपनी विशेष एफडी योजनाओं के माध्यम से निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं।

किसी बैंक में कितनी ब्याज दर

- बैंक ऑफ महाराष्ट्र- 400 दिन की एफडी पर 6.65 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ इंडिया- 450 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन ओवरसीज बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- पंजाब नेशनल बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- केनरा बैंक- 555 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- 2222 और 3333 दिन की एफडी पर 6.50 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ बड़ौदा- 444 दिन की एफडी पर 6.45 प्रतिशत ब्याज
- एसबीआई - 444 दिन की एफडी पर 6.45 प्रतिशत ब्याज

सीनियर सिटीजन को यह मिल रहा

- बैंक ऑफ महाराष्ट्र- 400 दिन की एफडी पर 7.15 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ इंडिया- 450 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन ओवरसीज बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- पंजाब नेशनल बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- 2222 और 3333 दिन की एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ बड़ौदा- 444 दिन की एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज
- एसबीआई- 444 दिन की एफडी पर 7.05 प्रतिशत ब्याज

इसलिए लोकप्रिय हो रही

निवेश विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के समय में सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ी है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और अन्य जोखिमों के कारण कई निवेशक अपने पैसे को सुरक्षित विकल्पों में लगाना पसंद कर रहे हैं। ऐसे में सरकारी बैंकों की एफडी योजनाएं भरोसेमंद मानी जाती हैं।

सैलरी बढ़ने के साथ बढ़ रहे खर्चे निवेश नहीं हो पा रहा तो यह करें

सही योजना और अनुशासन से ही बढ़ेगी बचत और निवेश

खर्चों पर नियंत्रण और बजट से ही बनेगी मजबूत आर्थिक स्थिति

बिजनेस डेस्क

आमतौर पर माना जाता है कि जब किसी व्यक्ति की आय बढ़ती है तो उसकी बचत और निवेश भी बढ़ने लगते हैं। लेकिन वास्तविकता अक्सर इससे अलग होती है। कई लोग सैलरी बढ़ने के बावजूद बचत नहीं कर पाते और निवेश भी नहीं कर पाते। इसका मुख्य कारण यह होता है कि आय बढ़ने के साथ-साथ खर्च भी तेजी से बढ़ने लगते हैं। वित्तीय भाषा में इस स्थिति को लाइफस्टाइल इंफ्लेशन कहा जाता है। इसका अर्थ है कि जैसे-जैसे व्यक्ति की कमाई बढ़ती है, वैसे-वैसे उसका रहन-सहन और खर्च का स्तर भी बढ़ जाता है। यदि समय रहते इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण नहीं किया जाए तो अतिरिक्त आय का लाभ बचत और निवेश के बजाय खर्चों में ही समाप्त हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लोग अपनी बढ़ती आय के साथ खर्चों पर नियंत्रण रखें और व्यवस्थित तरीके से निवेश शुरू करें तो वे भविष्य के लिए मजबूत आर्थिक आधार तैयार कर सकते हैं।

छोटे-छोटे बढ़ते खर्चों पर रखें नजर

लाइफस्टाइल इंफ्लेशन अचानक नहीं बढ़ता, बल्कि यह धीरे-धीरे छोटे-छोटे खर्चों से शुरू होता है। उदाहरण के लिए, सैलरी बढ़ने के बाद कई लोग पहले की तुलना में अधिक कैब का इस्तेमाल करने लगते हैं, सामान्य ब्रांड की जगह महंगे ब्रांड खरीदने लगते हैं या फिर बार-बार बाहर खाना और घूमना शुरू कर देते हैं। इसके अलावा कई लोग प्रीमियम जिम, ऑनलाइन मनोरंजन प्लेटफॉर्म या अन्य डिजिटल सेवाओं की कई सदस्यताएं भी ले लेते हैं। शुरुआत में यह खर्च बहुत छोटे लगते हैं, लेकिन समय के साथ यह आपकी मासिक आय का बड़ा हिस्सा खर्च करने लगते हैं। इसलिए जरूरी है कि सैलरी बढ़ने के बाद भी अपने खर्चों पर नियमित नजर रखें और अनावश्यक खर्चों को सीमित करने की कोशिश करें।

वेतन वृद्धि सही नजरिए से देखें

जब आपकी सैलरी बढ़े तो सबसे पहले यह तय करें कि उस अतिरिक्त आय का कितना हिस्सा खर्च करना है और कितना हिस्सा बचत या निवेश में लगाना है। कई वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सैलरी बढ़ने पर कम से कम आधा हिस्सा निवेश के लिए अलग कर देना चाहिए। इससे एक ओर आपकी बचत और निवेश लगातार बढ़ता रहेगा और दूसरी ओर आप अपनी आय में वृद्धि का आनंद भी ले पाएंगे। यदि आप अपनी आय बढ़ने के साथ बचत और निवेश भी बढ़ाते हैं तो लंबे समय में बड़ी पूंजी तैयार कर सकते हैं।

स्थायी खर्च करने से पहले सोचें

कुछ खर्च ऐसे होते हैं जो लंबे समय के लिए आपकी आर्थिक जिम्मेदारी बन जाते हैं। उदाहरण के लिए बड़ा घर किराए पर लेना, कार खरीदने के लिए कर्ज लेना या फिर महंगे क्लब और सेवाओं की सदस्यता लेना। ऐसे फैसले लेने से पहले यह जरूर सोचें कि यदि भविष्य में आपकी सैलरी कुछ समय तक नहीं बढ़ती या आय में कमी आ जाती है, तो क्या आप इन खर्चों को आसानी से संभाल पाएंगे। वित्तीय योजना बनाते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि आपकी आय का बड़ा हिस्सा स्थायी खर्चों में न फंस जाए। इससे आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

जीवनशैली को धीरे-धीरे सुधारें

सैलरी बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि आप तुरंत अपनी पूरी जीवनशैली बदल दें। बेहतर तरीका यह है कि धीरे-धीरे और सोच-समझकर अपने जीवन स्तर में सुधार करें। उदाहरण के लिए, सबसे पहले स्वास्थ्य बीमा, आपातकालीन फंड और दीर्घकालीन निवेश जैसे जरूरी वित्तीय कदम उठाएं। इसके बाद ही अन्य खर्चों पर ध्यान दें। धीरे-धीरे जीवनशैली में बदलाव करने से आपकी आय और खर्च के बीच संतुलन बना रहता है और भविष्य के लिए मजबूत बचत भी तैयार होती है।

बजट बनाना भी जरूरी

लाइफस्टाइल इंफ्लेशन को नियंत्रित करने के लिए मासिक बजट बनाना भी बहुत जरूरी है। यदि आप अपनी आय और खर्च का रिकॉर्ड रखते हैं तो आपको आसानी से पता चल जाता है कि आपका पैसा कहां खर्च हो रहा है।
बजट बनाने से आप यह तय कर सकते हैं कि कितनी राशि जरूरी खर्चों पर जाएगी, कितनी बचत में और कितनी निवेश में। इससे अनावश्यक खर्चों को कम करना आसान हो जाता है।

निवेश की आदत बनाएं : विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश को खर्च की तरह ही एक नियमित आदत बना लेना चाहिए। जैसे ही सैलरी आपके खाते में आए, उसी समय कुछ राशि निवेश के लिए अलग कर दें। यदि निवेश को प्राथमिकता दी जाए तो धीरे-धीरे बड़ी पूंजी तैयार हो सकती है और भविष्य में आर्थिक सुरक्षा भी मिलती है।

बाजार की अनिश्चितता में फ्लेक्सी कैप फंड बने निवेशकों की पसंद

भू-राजनीतिक तनाव और उतार-चढ़ाव के दौर में रणनीतिक परिसंपत्ति आवंटन से बेहतर रिटर्न की उम्मीद

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच निवेशकों के लिए फ्लेक्सी-कैप फंड एक समझदारी भरा विकल्प बनकर उभर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में ऐसे फंड निवेशकों को बेहतर संतुलन और दीर्घकालीन रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं। फ्लेक्सी-कैप फंड की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इनमें निवेश का वितरण बाजार पूंजीकरण के आधार पर तय नहीं होता। यानी फंड प्रबंधक अपनी रणनीति के अनुसार बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इससे बाजार की स्थिति के अनुसार जोखिम को नियंत्रित करने और अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिलती है। फ्लेक्सी-कैप फंड का यही लचीलापन बाजार के विभिन्न चरणों में निवेशकों के लिए उपयोगी साबित होता है। उदाहरण के तौर पर, जब बाजार में अधिक अस्थिरता होती है तो फंड प्रबंधक अपेक्षाकृत स्थिर बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश बढ़ा सकते हैं। वहीं जब बाजार में तेजी और विकास की संभावनाएं बढ़ती हैं, तब मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बढ़ाया जा सकता है। इस रणनीति के कारण फंड प्रबंधक बाजार में बदलती परिस्थितियों के अनुसार अपने पोर्टफोलियो को संतुलित कर सकते हैं। इससे निवेशकों को लंबे समय में स्थिर और प्रतिस्पर्धी रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

बेहतर रिटर्न का रिकॉर्ड

आंकड़ों के अनुसार फ्लेक्सी-कैप फंड ने अन्य विविधीकृत इक्विटी फंड की तुलना में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले तीन वर्षों में इन फंडों ने औसतन लगभग 17 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले पांच वर्षों में इनका औसत रिटर्न लगभग 14.2 प्रतिशत रहा है। इसी कारण निवेशकों का भरोसा भी इन फंडों पर बढ़ रहा है। फरवरी 2026 में फ्लेक्सी-कैप फंड में करीब 6,925 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो इक्विटी म्यूचुअल फंड की विभिन्न श्रेणियों में सबसे अधिक रहा। इससे यह संकेत मिलता है कि निवेशक शेयर बाजार में निवेश तो जारी रखना चाहते हैं, लेकिन वे ऐसी श्रेणी को प्राथमिकता दे रहे हैं जहां फंड प्रबंधकों को निवेश में लचीलापन मिलता हो।

अस्थिर बाजार में रणनीतिक विकल्प

फ्लेक्सी-कैप फंड निवेशकों के लिए इक्विटी पोर्टफोलियो का मुख्य हिस्सा बन सकते हैं। यदि निवेशक लंबे समय के लिए नियमित निवेश योजना के माध्यम से निवेश करते हैं तो वे बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद चक्रवृद्धि लाभ का फायदा उठा सकते हैं। साल 2025 में बाजार में देखी गई अस्थिरता के दौरान कई फ्लेक्सी-कैप फंडों ने अपने निवेश का झुकाव अपेक्षाकृत स्थिर बड़ी कंपनियों की ओर बढ़ा दिया था। साथ ही उन्होंने लगभग 15 से 20 प्रतिशत निवेश मझोली कंपनियों में बनाए रखा और अधिक जोखिम वाले छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश को सीमित कर दिया था।

निवेश से पहले रखें ध्यान

फ्लेक्सी-कैप फंड में निवेश करने से पहले निवेशकों को कुछ महत्वपूर्ण बातों पर जरूर ध्यान देना चाहिए। सबसे पहले फंड प्रबंधक के पिछले प्रदर्शन और बाजार के विभिन्न चरणों में उनकी रणनीति को समझना जरूरी है। इसके अलावा यह भी देखना चाहिए कि फंड बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश का संतुलन किस प्रकार बनाता है। निवेशकों को फंड के जोखिम प्रबंधन, खर्च अनुपात और पोर्टफोलियो के केंद्रीकरण जैसे पहलुओं का भी मूल्यांकन करना चाहिए। फ्लेक्सी-कैप फंड में निवेश करते समय फंड प्रबंधक की यह क्षमता बहुत महत्वपूर्ण होती है कि वह विभिन्न क्षेत्रों में मूल्यांकन के अवसरों की पहचान कैसे करता है।

बाजार में लगातार बदलाव

विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव के कारण शेयर बाजार में अक्सर तेज उतार-चढ़ाव और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश का रुझान बदलता रहता है। लंबे समय में बाजार के अलग-अलग हिस्से अलग समय पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में फ्लेक्सी-कैप फंड इन बदलावों का लाभ उठाने के लिए बेहतर स्थिति में होते हैं। यह निवेशकों के लिए फ्लेक्सी-कैप फंड व्यापक बाजार में निवेश का एक सुविधाजनक माध्यम हैं, क्योंकि इससे निवेश किसी एक क्षेत्र या श्रेणी तक सीमित नहीं रहता।

निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प

विशेषज्ञों का मानना है कि फ्लेक्सी-कैप फंड उन निवेशकों के लिए अधिक उपयुक्त हैं जिनका निवेश दृष्टिकोण लंबी अवधि का है और जो अल्पकालिक बाजार उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं। यदि निवेशक नियमित और अनुशासित तरीके से निवेश करते हैं तो समय के साथ उन्हें बेहतर रिटर्न मिल सकता है। बदलते आर्थिक माहौल और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच फ्लेक्सी-कैप फंड निवेशकों के लिए ऐसा विकल्प बनकर उभर रहे हैं, जो जोखिम और अवसर के बीच संतुलन बनाते हुए दीर्घकालीन संपत्ति निर्माण में सहायक हो सकते हैं।

अलर्ट वरिष्ठ नागरिक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें, ताकि बाद में पछताना न पड़े

बुजुर्गावस्था में अपनी आर्थिक स्थिति कैसे मजबूत करें समय रहते सही निवेश और आय के स्थायी स्त्रोत बनाएं

आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्लान तैयार कर निवेश करें, इससे आसानी होगी

बिजनेस डेस्क

बढ़ती उम्र जीवन का स्वाभाविक चरण है, लेकिन इसके साथ आने वाली आर्थिक चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जब तक व्यक्ति युवा होता है, तब तक वह शारीरिक और मानसिक श्रम के माध्यम से नियमित आय अर्जित कर सकता है। किंतु 60 वर्ष की आयु के बाद शारीरिक क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है और आय के अवसर सीमित हो जाते हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ने लगती हैं, जिससे खर्च भी अधिक हो जाता है। ऐसे में बुजुर्गावस्था में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय रहते निवेश की योजना बनाना बेहद आवश्यक हो जाता है। भारतीय समाज में परंपरागत रूप से यह माना जाता रहा है कि वृद्धावस्था में परिवार ही सबसे बड़ा सहारा होता है। लेकिन बदलती सामाजिक परिस्थितियों, छोटे होते परिवारों और बढ़ती जीवनशैली की लागत के कारण केवल पारिवारिक सहारे पर निर्भर रहना अब व्यावहारिक नहीं रह गया है। इसलिए यह जरूरी है कि व्यक्ति अपने कार्यकाल के दौरान ही ऐसी वित्तीय योजना बनाए जिससे रिटायरमेंट के बाद भी नियमित आय बनी रहे और उसे आर्थिक रूप से किसी पर निर्भर न रहना पड़े।

क्यों जरूरी है रिटायरमेंट प्लानिंग

- युवावस्था में व्यक्ति शारीरिक और मानसिक श्रम से आय अर्जित कर सकता है।
- 60 वर्ष के बाद शारीरिक क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है।
- बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ्य पर खर्च भी बढ़ता है।
- इसलिए बुजुर्गावस्था में नियमित आय का स्रोत होना बेहद जरूरी है।

पेंशन और सरकारी योजनाएं

सरकारी सेवा या कुछ निजी संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों को मासिक पेंशन मिलती है। कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस) संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद आय प्रदान करती है। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए है, जिसमें 60 वर्ष के बाद 1000 रुपये से 5000 रुपये तक मासिक पेंशन मिलती है।

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना

- 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग निवेश कर सकते हैं।
- ब्याज दर लगभग 8.2% वार्षिक।
- न्यूनतम निवेश 1000 रुपये और अधिकतम 30 लाख रुपये।
- अवधि 5 वर्ष, जिसे आगे 3 वर्ष बढ़ाया जा सकता है।
- ब्याज का भुगतान हर तिमाही किया जाता है।
- आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर छूट का लाभ मिलता है।

डाकघर मासिक आय योजना

- नियमित मासिक आय का सुरक्षित साधन
- ब्याज दर लगभग 7.4%।
- एकल खाते में अधिकतम निवेश 9 लाख रुपये।
- संयुक्त खाते में 15 लाख रुपये तक निवेश संभव।
- लॉक-इन अवधि 5 वर्ष।
- ब्याज का भुगतान हर महीने किया जाता है।

सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी)

- एकमुश्त निवेश के बाद हर महीने या तिमाही निश्चित राशि निकाल सकते हैं।
- केवल कुछ यूनिट्स बिकती हैं, बाकी निवेश बढ़ता रहता है।
- यह उन सेवानिवृत्त लोगों के लिए उपयोगी है जो पूंजी को सुरक्षित रखते हुए आय चाहते हैं।

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट

- वरिष्ठ नागरिकों को 6% से 8% तक ब्याज मिलता है।
- ब्याज दर बैंक और अवधि के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।
- यह एक सुरक्षित और कम जोखिम वाला निवेश माना जाता है।

संपत्ति से आय के विकल्प

- मकान, दुकान या जमीन किराये पर देकर नियमित आय प्राप्त की जा सकती है।
- अनुभव का उपयोग कर ट्यूशन, लेखन, सलाहकार कार्य किया जा सकता है।
- किराने की दुकान
- घर का बना खाद्य पदार्थ बेचना
- ट्यूशन या कोचिंग
- ब्लॉगिंग या ऑनलाइन काम

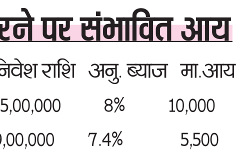

50 लाख निवेश करने पर संभावित आय

योजना	निवेश राशि	अनु. ब्याज	मा.आय
व. नागरिक बचत योजना	15,00,000	8%	10,000
डाकघर मासिक आय	9,00,000	7.4%	5,500
बैंक मियादी जमा	16,00,000	7%	9,300
अन्य पेंशन योजना	10,00,000	7.4%	6,000

कुल अनुमानित मासिक आय : लगभग 30,800

एक ही जगह निवेश न करें

रिटायरमेंट के बाद पूरी बचत एक ही जगह निवेश न करें। अलग-अलग योजनाओं में निवेश करने से जोखिम कम और आय स्थिर रहती है। यदि व्यक्ति बचत, निवेश और छोटे काम जारी रखे तो बुजुर्गावस्था में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रह सकता है। इससे आपको किी का मुंह नहीं ताकना पड़ेगा और बुढ़ापा आराम से कटेगा।

बीएमएस का जिला मुख्यालय में प्रदर्शन, रैली का आयोजन कर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अलग खबर

भारतीय मजदूर संघ के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के गौरवशाली उपलक्ष में इस दिवस को इस वर्ष पूरे देश भर में 8 से 15 मार्च तक महिला अधिकार सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। इस दौरान वर्तमान समय में विभिन्न क्षेत्रों विभागों, विशेष कर महिला एवं बाल विकास विभाग व विभिन्न कारखानो/उद्योगों में कार्यरत महिलाओं की स्थिति पर नियोक्ता एवं सरकार का ध्यान आकर्षित करने हेतु देशभर के समस्त जिला मुख्यालय में देशव्यापी प्रदर्शन एवं रैली का आयोजन कर ज्ञापन सौंपे जाने का निर्णय लिया गया है।

इसी कड़ी में 13 मार्च को भारतीय मजदूर संघ जिला कोरबा के द्वारा जिला मुख्यालय कोरबा के आईटीआई चौक कोरबा में दोपहर 1 बजे एकत्रित होकर आमसभा कर प्रदर्शन किया गया। वक्ताओं के द्वारा कहा गया कि आज देश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य हो रहा है, फिर भी कई विभागों/उद्योगों एवं सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में महिलाओं की स्थिति दयनीय है। विशेषकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाओं की स्थिति बहुत नाजुक है। सरकार द्वारा उनसे 12 से 14 घंटे प्रतिदिन काम कराया जाता है, लेकिन उनके एवज में मानदेय बहुत कम दिया जा रहा है। आज के महंगाई के समय में आंगनबाड़ी कर्मियों को घर चलाना भी मुश्किल हो गया है। भारतीय मजदूर संघ ने आम सभा के माध्यम से सरकार से मांग किया है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाओं को शासकीय कर्मचारी घोषित किया जाए और जब तक शासकीय कर्मचारी घोषित नहीं किया जाता है तब तक उन्हें सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम वेतन प्रदान किया जाए। उनके लिए सामाजिक सुरक्षा, इपीएफ, पेंशन, बीमा एवं चिकित्सा सुविधा तत्काल लागू किया जाए। इसी तरह विभिन्न उद्योगों/कारखानो में कार्यरत महिला कामगारों के लिए समान काम समान वेतन के आधार पर उनके मजदूरी में वृद्धि किया जाए तथा उनके लिए सामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन, बीमा आदि का भी प्रावधान सुनिश्चित किया जाए। आमसभा के पश्चात सैकड़ो महिलाओं के साथ रैली के रूप में कलेक्टर ऑफिस पहुंचकर प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के नाम पर जिलाधीश कार्यालय में डिप्टी कलेक्टर टी आर भारद्वाज को ज्ञापन सौंपा गया। आम सभा को भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ कोरबा-कुसमुंडा के महामंत्री रंजय सिंह, आंगनबाड़ी के संयुक्त महामंत्री अंजलि पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष मीना सोनी, भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती पूर्णिमा साहू, भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ कोरबा कुसमुंडा के संगठन मंत्री अशोक सूर्यवंशी ने भी संबोधित किया।

भारतीय मजदूर संघ मना रहा महिला अधिकार सप्ताह

खास बात

- सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में महिलाओं की दयनीय स्थिति पर बीएमएस ने खोला मोर्चा

खबर संक्षेप

महिला अधिकार सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

गेवरा दीपका। भारतीय मजदूर संघ केंद्र के निर्देशानुसार तथा अखिल भारतीय मजदूर संघ के मार्गदर्शन में बीकेकेएमएस कोरबा-कुसमुंडा ने नेहरू नगर दुर्गा पंडाल में महिला अधिकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें 6सौ से ज्यादा महिला कर्मचारी, महिला मंडल के महिलाएं शामिल हुए जिसमें महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम और संगठन गीत, रैली, किए तथा संघ द्वारा सभी महिलाओं को तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि श्रीमती डॉ साधना खरे प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय रही और मंच पर विशेष उपस्थिति श्रीमती रीता सिंह, श्रीमती सावित्री जायसवाल, श्रीमती नमिता सिंह, श्रीमती राम कुमारी चंद्रा तथा श्रीमती ममता राठौर उपस्थित रही कार्यक्रम में मुख्य रूप से एबीकेएमएस के अध्यक्ष सुजीत सिंह उपस्थित रहे कार्यक्रम में मंच संचालन रंजय सिंह महामंत्री के द्वारा किया गया तथा मंच संचलन अमिया मिश्रा उप महामंत्री ने किया।

पांचवीं के छात्रों को जूनियर छात्रों द्वारा दी गई विदाई

चैतमा। विकासखंड पाली के संकुल पटपरा अंतर्गत प्राथमिक शाला ठाड़पखना में पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। प्रधानपाठक संतोष कुमार पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। बच्चों भी अपने भविष्य को लेकर संकल्पित दिखे, किसी ने कहा वे भविष्य में टीचर, डाक्टर तो किसी ने कलेक्टर बनने का संकल्प लिया लिया और साथ ही इस दौरान गुरुजनों से मिले परस्पर ज्ञान और स्नेह के लिए सभी छात्र संकल्पित दिखे। इस अवसर पर प्रधान पाठक संतोष कुमार पटेल ने पांचवीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों को उपहार भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में सहायक शिक्षक लक्ष्मी तिवारी, शिक्षिका अनामिका महंत, स्कूल सहायक राय सिंह सहित गांव के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

निर्मला बनीं भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष द्वारा कार्यकारिणी का गठन कर पदाधिकारियों का चयन किया गया है। नवगठित कार्यकारिणी में निर्मला साहू को महिला मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष पद पर मनोनित किया गया है।

कल चलेगा स्वच्छता अभियान

कोरबा। स्वच्छता महाअभियान के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 मार्च को वार्ड क्र. 41 पाडीमार क्र.2 व वार्ड क्र. 56 शक्तिनगर क्र. 1 के विभिन्न बस्तियों, कालोनियों, मुख्य व संपर्क सड़कों आदि में विशेष मेगा स्वच्छता ड्राईव संचालित की जाएगी तथा वृहद साफ-सफाई के कार्य किये जाएंगे।

निधन

इमानुअल तांडी

कोरबा। एक निजी न्यूज चैनल में काम करने वाला कैमरामैन इमानुअल तांडी का शनिवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 15 मार्च को दोपहर 12 बजे मुड़ापार हेलीपेड के पास स्थित क्रिश्चियन कब्रिस्तान में किया जाएगा।

कोरबा शहरी और ग्रामीण सहित अन्य ब्लॉकों में भी कार्य होगा शुरु

सात परियोजनाओं में शुरु होगा रेडी टू इट का उत्पादन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बीते 10 माह से रुकी महिला बाल विकास विभाग की रेडी टू इट उत्पादन की प्रक्रिया 20 मार्च से शुरु होने जा रही है। कुल 10 परियोजनाओं में से 7 परियोजनाओं से उत्पादन की प्रक्रिया शुरु हो जाएगी जिनके लिए महिला समूहों ने अपने अपने कार्यक्षेत्र में रेडी टू इट उत्पादन के लिए यूनिट लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। जिसका निरीक्षण विभागीय अधिकारियों के द्वारा किया गया है।

खास बात

- महिला बाल विकास विभाग ने बीते वर्ष जून माह में महिला समूहों को किया था कार्य का आवंटन

जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को पूरक पोषण अभियान के अंतर्गत पौष्टिक आहार देने के लिए रेडी टू इट उत्पादन का कार्य महिला समूहों को देने के लिए बीते वर्ष मई महीने से समूहों से आवेदन मंगाने की प्रक्रिया शुरु की गई थी। तमाम शिकायतों और न्यायालयीन मामला निपटाने के बाद महिला बाल विकास विभाग ने उत्पादन के कार्य में हो रही देरी को गंभीरता से लेते हुए चयनित महिला स्व सहायता समूहों को अपने अपने कार्य क्षेत्रों में यूनिट स्थापना के निर्देश दिए थे। विभाग ने चयनित महिला समूहों के कार्यक्षेत्र का निरीक्षण कर यूनिट की स्थापना स्थल और कार्यक्षेत्र की स्थिति का अवलोकन किया था। शासन के गाइड लाइनों के अनुसार स्थापित की गई यूनिट के परीक्षण के पश्चात ही उत्पादन की अनुमति दी गई। उसके अनुसार कोरबा विकासखंड की दो परियोजनाएं कोरबा शहरी और कोरबा ग्रामीण सहित कटघोरा विकासखंड की दो परियोजनाएं तथा पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड की दो एवं पाली विकासखंड की एक परियोजना से रेडी टू इट के उत्पादन का कार्य 20 मार्च से शुरु हो जाएगा।

तैयार पौष्टिक आहार को केंद्रों में करना होगा सप्लाई

परियोजना स्थल में स्थापित की गई उत्पादन इकाई से तैयार किए गए पौष्टिक आहार को परियोजना के अंतर्गत आने वाले सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में सप्लाई करना होगा। इसके लिए महिला समूहों को ही जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी। जिन 7 परियोजनाओं से उत्पादन शुरु होगा उनके अंतर्गत 1 हजार से अधिक आंगनबाड़ी केंद्र आते हैं जिले में कुल 25 सौ के लगभग आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं जिनमें 60 से 70 हजार बच्चे दर्ज हैं।

शुरु होगा उत्पादन

महिला बाल विकास विभाग के अंतर्गत 10 परियोजना संचालित हैं जिनमें से 7 परियोजनाओं से रेडी टू इट उत्पादन का कार्य 20 मार्च से शुरु हो जाएगा। मार्च महीने के अंत तक शेष 3 परियोजनाओं से भी उत्पादन का कार्य शुरु कर दिया जाएगा।

-**बसंत मिंज**, कार्यक्रम अधिकारी, मबावि

* प्रतापपुर। करंजवार जंगल में दंतैल से अपनी गेंहू की फसल सुरक्षा के लिए करंट की बाड़ लगाने वाले आरोपी किसान रामलाल पिता जगदीश (55) वर्ष को वन अधिकारियों ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत शनिवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

अदाणी फाउंडेशन के आयोजन में ग्रामीण महिलाओं ने दिखाई प्रतिभा

विविध वेशभूषा में उपस्थित बच्चे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अदाणी फाउंडेशन की ओर से बजरमुड़ा में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न गांवों से आई महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए खेलकूद प्रतियोगिताओं और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत म्यूजिकल चेयर, मटकी फोड़ और फुगड़ी जैसी प्रतियोगिताओं से हुई। कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में कुंजेमुरा की श्रीमती बिलासिनी राठिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बांजीरखोल की श्रीमती गुरुवारी भगत द्वितीय तथा मिलूपारा की श्रीमती लक्ष्मीन बरेठ तृतीय स्थान पर रहीं। सराईटोला की श्रीमती कीर्ति राठिया चतुर्थ और सीतापुर की श्रीमती कुसुम जाहिरे पाँचवें स्थान पर रहीं। वहीं, मटकी फोड़ प्रतियोगिता में सराईटोला की श्रीमती इंदु राठिया ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसी तरह विभिन्न प्रतियोगिता में श्रीमती कविता चंद्रा, श्रीमती जमुना डनसेना, श्रीमती कांति यादव, श्रीमती श्यामा बाई, श्रीमती बिलासिनी राठिया, श्रीमती संतोषी सिदार, श्रीमती शकुंतला, श्रीमती कीर्ति राठिया, श्रीमती उसिला चौहान शामिल रहीं। सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

पूर्व मंत्री ने पीएम आवास योजना के हितग्राहियों की समस्याओं के समाधान के लिए कलेक्टर को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नगर निगम क्षेत्र के हितग्राहियों को हो रही समस्याओं को लेकर पूर्व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कलेक्टर को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है। पत्र में श्री अग्रवाल ने उल्लेख किया है कि योजना के क्रियान्वयन में आ रही प्रशासनिक एवं व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण अनेक जरूरतमंद परिवार अनावश्यक रूप से परेशान हो रहे हैं। कई ऐसे हितग्राही हैं जिनके पास पहले से कच्चा मकान या झोपड़ी बनी हुई है तथा उसी भूमि पर पीएम आवास निर्माण के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध है। इसके बावजूद नगर निगम के कुछ अधिकारियों द्वारा यह शर्त रखी जा रही है कि पहले मौजूदा मकान को पूरी तरह ध्वस्त किया जाए, तभी योजना का लाभ दिया जाएगा। यह व्यवस्था पूरी तरह अव्यावहारिक है, क्योंकि अनेक परिवारों में माता-पिता, उनके पुत्र और उनके परिवार एक ही परिसर में रहते हैं। यदि निर्माण से पहले ही मकान तोड़ दिया जाएगा तो परिवारों के सामने रहने की गंभीर समस्या खड़ी हो जाएगी। उन्होंने मांग की है कि ऐसे मामलों में हितग्राहियों को पुराने कच्चे मकान को तत्काल तोड़े बिना उपलब्ध भूमि पर प्रधानमंत्री आवास निर्माण की अनुमति दी जाए। श्री अग्रवाल ने बताया कि जिन हितग्राहियों के आवास स्वीकृत हो चुके हैं और जिन्होंने निर्माण कार्य शुरू कर दिया है, उन्हें योजना की किश्तें समय पर नहीं मिल पा रही हैं। योजना की राशि चरणबद्ध तरीके से जारी होने के कारण किश्तों में हो रही देरी से कई आवासों का निर्माण अधूरा रह गया है और अनेक निर्माण कार्य धनराशि के अभाव में रुक गए हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि हितग्राहियों को योजना की राशि समय पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के पूरा हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान कोरबा क्षेत्र के वर्तमान विधायक एवं राज्य सरकार के मंत्री द्वारा यह सार्वजनिक घोषणा की गई थी कि कोई भी परिवार झुग्गी-झोपड़ी में रहने के लिए मजबूर नहीं रहेगा और सभी वंचित परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाएगा। ऐसे में यह आवश्यक है कि इस घोषणा के अनुरूप अधिक से अधिक परिवारों को योजना से जोड़ा जाए।

जयसिंह अग्रवाल

मरार पटेल समाज ने सावित्री बाई फुले की प्रतिमा स्थापना की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

मरार पटेल समाज के अध्यक्ष उत्तम पटेल ने माता सावित्री बाई फुले की प्रतिमा स्थापना की मांग करते हुए कलेक्टर को पत्र लिखा है। उत्तम पटेल ने बताया कि जिले में कही भी सावित्री बाई फुले की प्रतिमा नहीं होने के कारण समाज की महिलाएं उनके योगदान से अवगत नहीं हो पाती हैं वहीं समाज की दूर दृष्टि से ओझल हो गयी है। जिले के चौक चौराहों में सामाजिक उथान करने वालों की प्रतिमाएं लगी है। इसी कड़ी में सावित्री बाई फुले की प्रतिमा निहारिका क्षेत्र में लगाना समाज की मांग है ताकि समाज उनके योगदान को जान सके।

उत्तम पटेल

न्यायालय नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी कटघोरा जिला कोरबा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /बी-121/2026 ग्राम गजरा प.ह.नं. 42 तहसील कटघोरा जिला कोरबा

एतद द्वारा आम जनता मौजा बांकी प.ह.नं. 44 रा.नि.मं बांकी तहसील कटघोरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामकुमार यादव पिता स्व. पंचराम जाति यादव निवासी ग्राम बांकीमोंगरा तहसील कटघोरा जिला कोरबा (छ.ग.) द्वारा अपने भाई तिरिथ राम पिता स्व. पंचराम का मृत्यु 15-06-2025 को स्थान बाकीमोंगरा तहसील कटघोरा स्थित स्वयं के घर में मृत्यु हो जाने का लेख करते हुए मृत्यु प्रमाण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो अपना दावा आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 16.03.2026 को न्यायालयीन समय 11:00 बजे उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात किये जाने दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर लगाकर जारी किया गया।

स्थान:- कटघोरा

कार्यापालिक दण्डाधिकारी कटघोरा

पीएचसी हरदीबाजार में एंटी रैबीज इंजेक्शन नहीं होने से पीड़ित हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हरदीबाजार

विकासखंड पाली अंतर्गत ग्राम पंचायत हरदीबि के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदीबाजार में एंटी रैबीज इंजेक्शन नहीं होने से पीड़ित हो रहे हैं परेशान, खासतौर पर मौसम परिवर्तन और गर्मी की वजह से कुत्ते भूख प्यास से बेचैन, डिहाईड्रेशन की वजह से आम लोगों व राहगीरों को कुत्ते काट रहे है लेकिन रैबिज बीमारे के रोकथाम व बचाव के लिए इंजेक्शन लगवाने के लिए जब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदीबाजार पहुंचते है तो पीड़ित को इंजेक्शन नहीं मिलता मजबूरन, पीड़ितों को 400 रुपए के दर पर बाजार से खरीद कर इंजेक्शन लगवाना पड़ रहा है जब कि डॉक्टर का कहना है कि पीड़ित को लगभग पांच इंजेक्शन लगवाना जरूरी है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदीबाजार के सहायक चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर युधेश सांडे ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदी बाजार,एवं कोरबी स्वास्थ्य केंद्र में एंटी रैबीज नामक इंजेक्शन लगभग एक महीने से नहीं है क्षेत्र में गेवरा बस्ती,भिलाईबाजार व क्षेत्र से लगातार कुत्ता काटने के मरीज प्रतिदिन 3-4 अस्पताल पहुंचे हैं जो महिने के हिसाब से 90-100 मरीज होते हैं। स्वास्थ्य केंद्र में एंटी रैबीज इंजेक्शन खत्म होने की मांग विभाग में किया जा चुका है। आज एंटी रैबीज इंजेक्शन नहीं रहने से पीड़ित परेशान हो रहा है और अपना स्वयं खरीद कर इंजेक्शन लगवा रहा है हम अपने तरफ से भरपूर प्रयास कर रहे हैं कि जितना जल्दी हो सके एंटी रैबीज नामक इंजेक्शन स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध हो। बीएमओ पाली डॉ अनिल शराफ का कहना है आज ही ब्लाक मुख्यालय में 6 सौ रैबिज के इंजेक्शन आए हैं,जल्द हरदीबाजार पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है।

खास बात

- क्षेत्र में कुत्तों के काटने के मामले में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी, इंजेक्शन खरीदना पड़ रहा पीडितो को

Affidavit

I, Sneha Saharan (Aadhaar Card No 9824 5960 2991) W/o Sh. Karam Pal Saharan R/o H. No. C-18, Sardar Vallabh Bhai Patel Nagar Garud Nagar, Gerva Project, Korba, Chhattisgarh, India, 495452 do hereby solemnly affirm and declare as under:-

1. That I am a permanent resident of the above mentioned address.
2. That in my Matriculation Marksheet my name is mentioned as Sneha Nee Sunita Devi and in my Aadhaar Card my name is mentioned as Sneha Saharan and these both name related to me which is my name.
3. That in my Matriculation Marksheet my D.O.B is mentioned as 20/04/1976 and in my Aadhaar Card my D.O.B is mentioned as 04/04/1976 and these both D.O.B related to me which is my D.O.B.
4. That in my Marksheet and my Passport my father name is mentioned as Balraj Singh but in my Pan Card my father name is mentioned as Balraj Kharab.
5. That in future my name may be known as Sneha Saharan, my D.O.B is known as 20/04/1976 and father's name is known as Balraj Singh for all purpose.
6. That I am giving this affidavit for the confirmation of my name and D.O.B and I am giving this information in Hindi or English news paper.
7. That I shall abide by the rule and regulation of the concerned deptt./office.
8. That the above given information by me is true and correct.

Verification:-

Verified that the contents of the above affidavit are true and correct to the best of our knowledge and belief No part of it is false and nothing has been concealed therein.

Place: Rohtak
Date: 13/03/2026

Deponent
Sneha Saharan

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः।।

28वीं पुण्यतिथि

स्व. श्री छोटेलाल जी अग्रवाल

निर्वाण : 15 मार्च 1998

28 वर्ष पूर्व आज ही के दिन 15 मार्च 1998 को आपका नश्वर शरीर ईहलोक छोड़कर स्वर्गारोहण कर आप अनंत यात्रा पर चले गए। यद्यपि आप आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन आपका संघर्ष और कड़ी मेहनत करने की सीख और पुरूषार्थ से अर्थ अर्जित करने की प्रेरणा और जन सेवा का दिया हुआ अनमोल उपहार हमारी धरोहर है।
जीवन के हर मोड़ पर हमें आपकी याद आती है और आपके द्वारा बताए गए आदर्श हमें संबल प्रदान करता है।
आज (15 मार्च 2026) आपकी 28वीं पुण्यतिथि पर पुण्य स्मरण करते हुए आपके श्रीचरणों में हमारा शत् शत् नमन एवं भावपूर्ण श्रद्धांजलि
संघर्षों में जीना सिखाया, यही हमारा आदर्श और आपकी प्रेरणा हमारा संबल है...

शोकाकुल
दिनेश, विकास, पंकज, आशीष, रवि, विपुल, सारांश, समर्थ, तनिष्क, लक्ष्य, गौरव, अर्जुन

ॐ शांति
समस्त मातनहेलिया परिवार

विनीत
राजबीर प्रसाद अग्रवाल
राजकुमार अग्रवाल
भगवान दास अग्रवाल

फर्म :
- सर्वमंगला कंस्ट्रक्शन कम्पनी कोरबा, सारांश गैस सर्विसेस कोरबा
- आद्या फ्युल्स, छत्तीसगढ़ फूड प्रोडक्ट्स, लखनपुर रोड सुतर्रा (कोरबा)
- नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा (मड़वारानी) मो.: 9826670261
- सर्वमंगला मल्टी इन्फ्रा प्रा.लि.
- मे. आर.बी. ट्रेडर्स, मे. छत्तीसगढ़ सेल्स कॉर्पोरेशन कोरबा (छ.ग.)

पिता सन्तः दीपवत् प्रकाशयन्ति पथम्। तेषां कृते नमनं मम्।।

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN

छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित

सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666

समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
- हड्डी एवं जोड़ों का दर्द
- नसों का रोग
- त्वचा एवं बालों का रोग
- स्त्री रोग
- मानसिक रोग
- मूत्र संबंधी रोग
- मधुमेह (डायबिटीज़)
- नेत्र रोग
- किडनी संबंधी रोग
- पेट संबंधी विकार
- थायराइड
- अस्थमा
- मोटापा
- मांसपेशी का रोग
- मल द्वार रोग विशेषज्ञ

प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

क्राइम की खबरें

कर्मा जयंती पर साहू संघ आज निकालेगी रैली

कोरबा। नगर साहू संघ अध्यक्ष बालाराम साहू एवं नगर साहू संघ के सचिव पुनीराम साहू के द्वारा 15 मार्च कर्मा जयंती के उपलक्ष में समय 2 बजे से घंटाघर में जयंती मनाया जाएगा एवं टू व्हीलर से रैली घंटाघर से ट्रांसपोर्ट नगर होते हुए सीतामढ़ी तक वापस घंटाघर में समापन किया जाएगा।

नेशनल टीम चैस चैंपियनशिप में शिवांगी व प्रभमन चयनित

कोरबा। अग्रेसन धाम रायपुर में 16 से 22 मार्च तक नेशनल टीम चैस चैंपियनशिप का आयोजन हो रहा है जिसमे पूरे देश के सभी राज्यों से कुल मिलाकर 330 खिलाड़ियों सह और मात के इस खेल में अपने राड़नीतिक कोसल व दिमाग का उपयोग कर कई खिताब हासिल करेंगे। इस चैंपियनशिप में लगभग 200 से अधिक ग्रैंड मास्टर/ फिडे मास्टर भी सम्मिलित है और कोरबा के लिए बाड़े गर्व की बात है कि इस चैंपियनशिप में हमारे कोरबा के दो बच्चे शिवांगी सोनी उम्र 13 वर्ष बालको और प्रभमन मल्होत्रा उम्र 15 वर्ष कोसाबाड़ी का भी चयन छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम में शामिल है हम उनके उज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

ग्रामीणों से नौकरी के नाम पर ठगी, मामला दर्ज

कोरबा। एसईसीएल की दीपका परियोजना में कार्यरत निजी कंपनी केसीसी के अधिकारियों द्वारा स्थानीय ग्रामीणों से नौकरी के नाम पर ठगी करने के साथ मारपीट और जातिगत अपमान के मामले में अपराध दर्ज कर लिया गया है। हरदीबाजार पुलिस ने पीड़तिों की शिकायत और उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद कंपनी के कर्मचारियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता और एससी एसटी एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। शिकायतकर्ता मुकेश कुमार चैतन्य और दीपक सिंह कंवर निवासी हरदीबाजार ने आरोप लगाया है कि उन्हें केसीसी कंपनी में ड्राइवर की नौकरी दिलाने का झांसा देकर रामप्रताप पटेल ने 70 हजार की वसूली की थी। 25 फरवरी को जब पीड़ति अपना बकाया पैसा वापस मांगने कंपनी कार्यालय पहुंचे तो वहाँ मौजूद विकास दुबे, रामप्रताप पटेल और रवि सिंह ने पैसे लौटाने की बजाय पीड़तिों के साथ अभद्रता की। मामले में पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लियाहै।

लैंगिक उत्पीड़न सहित अन्य समस्याओं को लेकर परिवाद समिति की बैठक सम्पन्न

कोरबा। नगर निगम में कामकाजी महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए गठित आंतरिक शिकायत परिवाद समिति की बैठक सम्पन्न हुई। समिति के समक्ष किसी भी प्रकार की शिकायत व परिवाद न तो प्रस्तुत किया गया है और न ही लंबित है, इस पर समिति के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा इसके प्रति सजग रहने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। निगम में कामकाजी महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम हेतु लैंगिक उत्पीड़न निवारण प्रतिरोध और प्रतितोष अधिनियम 2013 के अंतर्गत नगर निगम में आंतरिक शिकायत/परिवाद समिति का गठन किया गया है, जिसकी समय-समय पर बैठक आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में समिति की बैठक सम्पन्न हुई, बैठक के दौरान पाया गया कि समिति के पास इस संबंध में कोई भी शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। इस पर समिति के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा कार्यालय में लैंगिक उत्पीड़न संबंधी विषयों पर सजग रहने व किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित संज्ञान लेने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में समिति की अध्यक्ष गुलिस्ता साहू, सदस्य सचिव सुभाषिनी आशावान, तारा भगत, अंजुला अनंत, कीर्ति अनंत, तिरिथबाई, पुष्पा बंजारे आदि उपस्थित थे।

भारत इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग में आयोजित हुआ कार्यक्रम

कोरबा। भारत इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग कोरबा के छात्र-छात्राओं द्वारा 10 मार्च को जिला अस्पताल कोरबा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के विद्यार्थियों ने जिला अस्पताल की मैट्रन मैम को उनके उत्कृष्ट कार्य, समर्पण और स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया। छात्रों द्वारा मैट्रन मैम को पुष्प भेंट कर सम्मान प्रकट किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत सभी महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया और उनके समर्पण, सेवा भाव एवं समाज के प्रति उनके योगदान की सराहना की। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करना तथा समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करना था।

सभी विकासखंड की सहकारी समिति में शुरु होंगे पशु औषधि केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अलग खबर

मवेशी पालकों को अब अपने मवेशियों के उपचार के लिए बड़ी राशि खर्च नहीं करनी पड़ेगी। शीघ्र ही उन्हें सस्ती दवाईयां की सुविधा मिलने जा रही है। शासन ने जिले के सभी विकासखंड में पशु औषधि केंद्र खोलने का निर्णय लेते हुए इसकी प्रक्रिया भी शुरु कर दी है। जल्द ही इसके लिए आवेदन भी मंगाए जाएंगे। जिसका संचालन सहकारी समितियां करेंगी।

किसानो और मवेशी पालकों को मवेशियों के देखभाल और उपचार के लिए उपयोग में लायी जाने वाली दवाईयों का खर्च इतना ज्यादा होता था कि उन्हें इसके लिए एक बड़ी राशि खर्च करनी पड़ जाती थी। हालांकि पशु विभाग के डिस्पेंशरियों में दवाईयां की सुविधाएं जरुर दी गई है किंतु कभी कभी बड़ी दवाईयां डिस्पेंशरी में नहीं होने के कारण उन्हे बाजार से खरीदनी पड़ती थी। राज्य शासन की ओर से अब किसानो और मवेशी मालिकों को मवेशियों के उपचार के लिए आर्थिक भार से मुक्ति दिलाने का कार्य शुरु कर दिया गया है इसके लिए जिले के सभी पांचों विकासखंड में पशु औषधि केंद्र शुरु किया जाएगा जिनसे लोगों को सस्ती दवाईयां अपने मवेशियों के उपचार के लिए मिलेंगी। जिले के ग्रामीण अंचलों में मवेशियों की मौत सही समय पर उपचार और दवाईयों के नहीं मिलने के कारण हो जाती है। कई बार संक्रामक रोग फैलने के भी मामले सामने आए हैं। पशु औषधि केंद्र खोलने से मवेशी मालिकों को अब जिला मुख्यालय नहीं आना पड़ेगा।

विभाग के द्वारा शुरू की जा रही है तैयारी

खास बातें

- महंगी दवाईयों से मवेशी मालिकों को मिलेगी मुक्ति

तैयारियां की जा रही

"सभी विकासखंड के मुख्यालय में एक एक पशु औषधि केंद्र शुरु करने के लिए निर्देश मिले हैं। जिसके संचालन का जिम्मा सहकारी समितियों को दिए जाने के निर्देश हैं विभाग के द्वारा इसकी तैयारी की जा रही है।

-एस एन मिश्र, उप संचालक, पशु चिकित्सा विभाग

मुर्गी पालन, गौ पालन का बढ़ा है दायरा

जिले के ग्रामीण अंचलों में मुर्गी पालन के साथ बकरी और गौ पालन का दायरा बढ़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों में खासकर मुर्गी और बकरी पालन को व्यवसाय के रुप में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनाया है। जिनके रखरखाव व उपचार में एक बड़ी राशि खर्च होती थी जिससे कई बार मुर्गी और बकरी पालन का व्यवसाय करने वाले ग्रामीणों की हालत टूट जाती थी। अब पशु औषधि केंद्र खुलने के बाद इस व्यवसाय से जुड़े ग्रामीणों को राहत मिलेगी।

कल से शुरु होगा बोर्ड परीक्षाओं की कॉपियों का मूल्यांकन कार्य

मूल्यांकन के लिए जिले को भेजी गई 1 लाख 13 हजार 967 कॉपियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बोर्ड परीक्षाओं के मूल्यांकन कार्य सोमवार से 2 मूल्यांकन केंद्र साडा कन्या और एनसीडीसी स्कूल में शुरु होगा। मूल्यांकन कार्य की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पहले चरण में 1 लाख 13 हजार 867 कॉपियां माध्यमिक शिक्षा मंडल के द्वारा जांचने के लिए जिले को भेजी गई हैं जिसके लिए 5 सौ शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जा रही है।

खास बात

- दो चरणों में होगा मूल्यांकन कार्य

बोर्ड परीक्षाओं के मूल्यांकन कार्य के लिए दोनों मूल्यांकन केंद्रों में मूल्यांकन केंद्र प्रभारियों के द्वारा पिछले एक सप्ताह से की जा रही थी। मूल्यांकन के लिए एक एक कमरे में 20 टेबल लगाई गई है। दोनों केंद्रों में मूल्यांकन के लिए 8 कमरे तैयार किए गए हैं। दो चरणों में होने वाले मूल्यांकन का पहला कार्य 16 मार्च से शुरु होगा और इसके लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल के द्वारा जितनी कॉपियां भेजी गई हैं उनकी संख्या 1 लाख 13 हजार 967 है। इनमें साडा कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल में 61 हजार 967 कॉपियां भेजी गई हैं जिनमें हाईस्कूल की 44486, हायर सेकेण्डरी की 17471 कॉपियां शामिल हैं। इसी तरह एनसीडीसी स्कूल में मूल्यांकन के लिए कुल 52 हजार कॉपियां भेजी गई हैं। जिसमें हाईस्कूल 37500 एवं हायर सेकेण्डरी की लगभग 14600 कॉपियां भेजी गई हैं। इन कॉपियों के मूल्यांकन हेतु शिक्षकों की ड्यूटी लगाते हुए उन्हें इसकी सूचना भेज दी गई है। दोनों की केंद्रों में कॉपियों के मूल्यांकन हेतु 500 से अधिक शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाएगी। इनमें साडा कन्या मूल्यांकन केंद्र में 2 सौ शिक्षक और एनसीडीसी स्कूल में 3 सौ शिक्षकों की ड्यूटी लगेगी।

फाइल फोटो

कहां किस ब्लॉक के शिक्षकों की ड्यूटी

मूल्यांकन कार्य के लिए ब्लॉक मुख्यालय को जारी की गई शिक्षकों की ड्यूटी सूची के अनुसार स्कूल के प्राचार्यों और विकासखंड शिक्षा अधिकारी को मूल्यांकन के लिए शिक्षकों को कार्यमुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। कोरबा साडा मूल्यांकन केंद्र में कोरबा और कटघोरा विकासखंड के शिक्षकों की ड्यूटी लगेगी। वहीं एनसीडीसी मूल्यांकन केंद्र में पाली, करतला और पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

मोबाइल पर रहेगी रोक

मूल्यांकन कार्य के दौरान कोई भी शिक्षक मोबाइल का उपयोग नहीं कर सकेगा। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इसके लिए निर्देश भी जारी कर दिए हैं। कॉपियों के कड़ाई से मूल्यांकन को लेकर माध्यमिक शिक्षा मंडल के द्वारा लगातार निर्देश दिए जाते हैं। बीते वर्ष मूल्यांकन कार्य के दौरान मोबाइल के उपयोग की भी जानकारी सामने आयी थी जिस पर प्रशासन की टीम ने दोनों मूल्यांकन केंद्रों में अचानक दबिश दी थी। बताया जाता है कि मोबाइल उपयोग की जानकारी माध्यमिक शिक्षा मंडल को भी दी गई थी।

पुलिस बनकर दी थी धमकी, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत पताढ़ी निवासी सनत कुमार कश्यप उम्र 25 वर्ष पिता धनीराम कश्यप अशोक लीलैंड वर्कशॉप में काम करता था। सनत कुमार के द्वारा बीते दिनों सुसाइड किया गया था और सुसाइड का वीडियो बनाकर वायरल किया था। वीडियो में मृतक ने कहा कि जिला जांजगीर चाम्पा के बलोदा थाना के पंतोरा चौकी के द्वारा इसे फ़ोन कर उसके साथ गाली गलोच कर प्रताड़ति किया जिससे प्रताड़ति होकर आत्महत्या कर रहा हूं कहकर आत्महत्या किया है। सुचना मिलने पर जिला जांजगीर चाम्पा पुलिस द्वारा तत्काल प्रकरण में जांच प्रारभ किया जिसमें तथ्य सामने आया कि ग्रेवरा बस्ती निवासी सचिन खरे उम्र 30 साल पिता मुकुंदराम खरे की बहन 12 मार्च को कॉलेज जा रही हुं कहकर घर से गयी जो रात्रि तक वापस घर नहीं आने पर सचिन खरे द्वारा पता तलाश करने पर उसे ज्ञात हुआ कि धीरेन्द्र पाटले जो सचिन खरे का मामा का लड़का है के साथ जाना, ज्ञात होने पर सचिन खरे ने धीरेन्द्र पाटले के दोस्त सनत कश्यप को पुलिस बनकर अपने भाई मामा के लड़के शैलेन्द्र पाटले के फ़ोन नंबर 9669715797 से मृतक सनत कश्यप के फ़ोन नंबर 6267237268 में कॉल कर मै पंतोरा चौकी से पुलिस वाला बोल रहा हूं कहकर गाली गलौच कर थाना उपस्थित आने कहने पर डर से मृतक ने आत्महत्या किया। जिसपर जांजगीर पुलिस ने आरोपी सचिन खरे को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किया। मामले में पुलिस ने धारा 204 बीएनएस का अपराध कायम कर जांच कार्यवाही की जा रही है। वहीं आरोपी की बहन स्नेहा खरे के गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना कुसमुंडा दर्ज है।

खास बातें

- युवक ने क्षुब्ध होकर की थी आत्महत्या, सोशल मीडिया में वीडियो किया था वायरल
- सुसाइड का वीडियो वायरल में युवक ने जांजगीर-चांपा के बलौदा थाना था किया था जिक्र

संगठन को मजबूती से खड़ा करना सबकी जिम्मेदारी : लैतफ्लांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा संगठन सृजन अभियान की समीक्षा उपरांत संगठनात्मक पूर्णता एवं संगठन की मजबूती को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से समस्त ब्लाक, मंडल, वार्ड एवं बूथों में संगठनात्मक ढांचा को यथाशीघ्र पूर्ण किये जाने को लेकर एआईसीसी सचिव एवं प्रदेश सह प्रभारी सूश्री जरिता लैतफ्लांग ने टी पी नगर स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश के साथ जिम्मेदारी दिया। बैठक को संबोधित करते हुए एआईसीसी सचिव एवं प्रदेश सह प्रभारी जरिता लैतफ्लांग ने कहा कि संगठन में ब्लॉक, मंडल, वार्ड एवं बूथ कमेटी का गठन कर संगठन को मजबूती से खड़ा करना आपकी जिम्मेदारी है। आपको बूथ तक खुद जाना होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस बात का विशेष ध्यान रखना होगा कि विधायक, पूर्व विधायक, प्रदेश, जिला, ब्लॉक, मंडल एवं वार्ड के प्रमुख पदाधिकारियों को उनके निवासरत बूथ में बीएलए नियुक्त किया जाना जरूरी है। बूथ कमेटी को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से गठन करना होगा, कहीं ऐसा ना हो कि बूथ कमेटी के जगह भूत कमेटी बन जाए।

पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने बताया कि कोरबा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत चार ब्लॉक कमेटी बनाए गए हैं, जिसमें दर्री जमनीपाली 14 वार्ड, 60 बूथ, बालको 10 वार्ड 45 बूथ, कुसमुण्डा 6 वार्ड 20 बूथ और कोरबा 37 वार्ड 174 बूथ शामिल हैं। श्री अग्रवाल ने कोरबा ब्लॉक कमेटी को दो भागों में विभाजित करने एक ब्लॉक कमेटी बढ़ाते हुए कुल पांच ब्लॉक कमेटी बनाने का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया। श्री अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस के विचारों को दिलोजान से मानने वाले ऐसे अनेकों हैं लोग जो पार्टी के लिए कारगर हो सकते हैं, पर उन्हें मौका नहीं मिला, उन्हें आप आगे ला सकते हैं। कोरबा कांग्रेस प्रभारी विजय केशरवानी ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के सभी 90 विधानसभा में मतदान केन्द्रों (बूथ) की संख्या बढ़कर 27196 हो गया है। कोरबा विधानसभा में भी 55 मतदान केन्द्र बढ़े हैं। जो 244 से 299 हो गया है। इन बूथों में सक्रिय कार्यकर्ताओं को उनके निवासरत बूथों पर बीएलए नियुक्त करना है। प्रत्येक बूथ में दो सक्रिय कार्यकर्ता, पदाधिकारी को बीएल नियुक्त करें। उन्होंने जिलाध्यक्ष को निर्देशित किया कि वे जल्द ही ब्लॉकवार प्रभारी नियुक्त करें और ब्लॉक अध्यक्ष, मंडलवार प्रभारी नियुक्त करें। ब्लॉक और मंडल कमेटी का गठन जल्द करेंगे। हमें कांग्रेस पार्टी की विचारधारा के प्रतिबद्ध ऐसे लोगों को आगे बढ़ाना चाहिए, जो हर परिस्थिति में पार्टी के साथ खड़े रहे हैं। बैठक को बबिता, राजकिशोर प्रसाद, मुकेश राठौर, विकास सिंह, सुरेन्द्र जायसवाल, नत्थुलाल यादव आदि उपस्थित ते।

सभा को संबोधित करते पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल।

किशोरी ने की आत्महत्या, युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एक 15 साल की किशोरी विगत दिनों अपने पिता के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने गई थी जहां बारात में पहुंचे एक युवक ने किशोरी के साथ छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया था जब किशोरी के पिता मौके पर पहुंचा तो युवक वहां से भाग खड़ा हुआ। जिसके बाद इस घटना से व्यथित होकर किशोरी ने फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया। मामले में पुलिस ने छेड़छाड़ की घटना को अंजाम देने वाले युवक के खिलाफ अपराध पंजीकृत कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी

मामला कोरबी चौकी क्षेत्र अंतर्गत घटित हुई है। बताया जाता है कि यहां 7 मार्च को एक 15 वर्षीय किशोरी अपने पिता के साथ अपने एक रिश्तेदार के घर शादी समारोह में शामिल होने पहुंची थी। जहां रात को इस शादी समारोह में शामिल होने के लिए पड़ोसी जिला प्रेमनगर अन्नपूर्णा निवासी नरेंद्र उइके पिता मोहर साय भी पहुंचा हुआ था। जहां नरेंद्र ने किशोरी के साथ खेत में ले जाकर उसके साथ छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया था और मौके से फरार हो गया था। जिसके बाद 8 मार्च को किशोरी ने नर्सरी में फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया था। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू की थी और जांच के बाद पुलिस ने नरेंद्र उइके के खिलाफ धारा 137(2), 74, 107 बीएनएस, 4, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जेल भेज दिया है।

ढपढप में हनुमंत कथा का आयोजन 28 मार्च को

कोरबा। हनुमान भक्त धीरेंद्र शास्त्री के श्रीमुख से दिव्य हनुमंत कथा का आयोजन 28 मार्च से जिले के ग्राम ढपढप में शुरु होने जा रहा है। आयोजन समिति ने परंपरा अनुरूप सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को इस शुभ कार्य की पाती भेंटकर आमंत्रण संदेश के वितरण का शुभारंभ कर दिया है। इसके साथ ही प्रदेश के उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन और कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल को भी आयोजन समिति की ओर से आमंत्रित किया गया है।

वक्फ बोर्ड अध्यक्ष इफ्तार पार्टी में हुए शामिल मुस्लिम समाज ने जगह-जगह किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज का कोरबा आगमन हुआ। इस मौके पर जगह जगह उनके इस्तिकबाल का कार्यक्रम रखा गया। डॉ राज के साथ वक्फ बोर्ड के सदस्य फैजान सरवर खान भी मौजूद रहे।

डॉ राज के स्वागत का सिलसिला पंतोरा से शुरू हुआ। यहां सुन्नी मुस्लिम जमात के अध्यक्ष अखलाख खान के साथ ही जुम्मन खान और मुस्लिम समुदाय के अन्य लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद डॉ राज बरमपुर पहुंचे। जहां मुस्लिम जमात के युवाओं ने उनका अलग अंदाज में इस्तिकबाल किया। बरमपुर के बाद डॉ राज पावर हाउस रोड स्थित जामा मस्जिद पहुंचे। यहां उन्होंने कोरबा दौरे के बारे में जानकारी देते हुए वक्फ बोर्ड द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियों को होने वाली आय को बढ़ाते हुए इसका लाभ मुस्लिम समाज के जरूरतमंदों को दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। कोरबा शहर के हृदय स्थल ट्रांसपोर्ट नगर में सुन्नी मुस्लिम जमात कोरबा के द्वारा डॉ सलीम राज का बड़े ही जोशो ख़रोश से इस्तिकबाल किया गया। यहां डॉ राज को लड्डुओं से तौला गया। इस मौके पर डॉ राज ने कोरबा की मुस्लिम समुदाय का आभार जताया। कोरबा दौरे के आखिर में डॉ राज ने कोरबा शहर की ईदगाह कब्रिस्तान कमेटी द्वारा आयोजित इफ्तार पार्टी में शामिल हुए। मेहर वाटिका में आयोजित इफ्तार के मौके पर मंचीय कार्यक्रम रखा गया। इस मौके पर सुन्नी मुस्लिम जमात के अध्यक्ष अखलाख खान ने बताया कि समाज के लिए एक मॉडल स्कूल खोलने की योजना है, जिसके लिए वक्फ की ओर से सहयोग की जरूरत होगी। डॉ सलीम राज ने इस पर सहमति जताते हुए कहा कि शहर में एक स्कूल और मुस्लिम हॉल के लिए लगभग एक करोड़ रुपए की मदद केंद्रीय और राज्य वक्फ बोर्ड की ओर से दिलाने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि अगले साल रमजान में इफ्तार के मौके पर इन भवनों का शिलान्यास भी किया जाएगा।

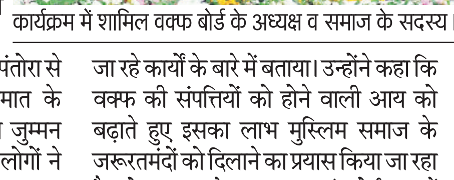

कार्यक्रम में शामिल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष व समाज के सदस्य।